साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24

CLASS - 11 SUBJECT - SANSKRIT

माह	सप्ताह	पाठ का नाम	पाठ के उपखण्ड	कालांश	अधिगम प्रतिफल
June 2023	प्रथम्	पूर्वज्ञानावलोकन	व्याकरणादि	2	पूर्वज्ञान का स्मरण
	द्वितीय	पाठ्यक्रम–विमर्श	पाठ्यक्रम–लेखन	1	
	तृतीय	वेदामृतम्	–पाठ परिचय, प्रथम एवं द्वितीय मन्त्र की व्याख्या –तृतीय से षष्ठ मन्त्र – पाठ की पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	01 02 01	1.वैदिक साहित्य की समृद्ध परंपरा का विकास 2.मंत्रवाचन एवं छन्दों का ज्ञान 3.वैदिक ज्ञान राशि का अवबोध 4. राष्ट्रप्रेम एवं विश्वबन्धुत्व की भावना की विकास 5. मन की शक्ति से परिचय।
	चतुर्थ	ऋतुचित्रणम्	–पाठ परिचय एवं प्रथम तीन श्लोक –चतुर्थ से अष्टम –नवम से एकादश –पाठ पुनरावृति एवं अभ्यास	01 01 01 01	1. महाकाव्य की समृद्ध परंपरा की समझ 2.संस्कृत साहित्य में अभिरुचि 3. श्लोक पठन एवं वाचन का अभ्यास 4.छन्द लय एवं यतियुक्त श्लोक वाचन का सामर्थ्य 5. षड्–ऋतुओं का सौदर्य–बोध
	पंचम्	–वर्णों का उच्चारण स्थान एवं वर्तनी	–उच्चारण स्थान –वर्ण संयोजन एवं वियोजन	03 01	1.सस्कृत की मूल ध्वनियों का ज्ञान 2. ध्वनियों के उच्चारण स्थान का ज्ञान 3.वर्णों के संयोजन एवं वियोजन का ज्ञान
July	प्रथम	– परोपकाराय सतां विभूतयः	–पाठ परिचय एवं व्याख्यात्मक अध्ययन	4	1.पालि साहित्य का परिचय 2.शुद्ध पठन एवं वाचन क्षमता का विकास 3. परोपकार की भावना का विकास 4. भारतीय संस्कृति एवं विश्व कल्याण की भावना का विकास 5.बोधिसत्व की समझ।

	प्रथम एवं द्वितीय	ाब्दरूप	बालक, फल, लता, कवि, पति, मति, नदी शिशु धेनु, मधु, वधू, पितृ, मातृ, कर्तृ एवं समानांतर प्रयोग	5	1.शब्दों के विभिन्न रूपों का ज्ञान 2. शब्दों के विभिन्न रूपों के प्रयोग की समक्ष 3. अनुवाद क्षमता का विकास 4.संस्कृत संभाषण में सहजता
	द्वितीय	धातुरुपाणि	परस्मैपदी – भू, पठ्, गम्, लिख्, पा, स्था, दृश्, अस्, कथ्, भक्ष्, घ्रा, क्रुध्, हन्, श्रु, नृत्, स्पृश्, चुर्	4	1.विभिन्न क्रियापदों का ज्ञान। 2.धातुओं का विभिन्न कालो में प्रयोग 3.गणों के अनुसार परिवर्तन का ज्ञान 4. अनुवाद क्षमता का विकास 5.सस्कृत संभाषण मे सहजता।
	तृतीय	पत्रलेखन परिचयः	औपचारिक एवं अनौपचारिक (पत्र की प्रकृति)	1	1.लेखन शैली का विकास 2.भावाभिव्यक्ति क्षमता का विकास
	चतुर्थ	मनो हि महतां धन्म्(चतुर्थः पाठः)	पाठ परिचय एवं व्याख्या पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	05 01	1. उपजीव्य काव्य महा भारत की विशिष्टता का ज्ञान 2. आत्मसम्मान संरक्षण की प्रेरणा 3.छंद, लय एवं यतिपूर्ण श्लोकवाचन का सामर्थ्य 4.सूक्तियों का परिज्ञान 5.राष्ट्रीय भावना का विकास
	चतुर्थ एवं पंचम	वाच्य परिवर्तनम्	परिवर्तन के नियम (लट् लकार में)	3	1.वाक्य रचना की विभिन्न शैलियों का ज्ञान 2.तार्किक क्षमता में वृद्धि 3.कर्तृ एवं कर्मवाच्य मे वाक्य प्रयोग का समार्थ्य
September	प्रथम	सौवर्णशकटिका (पंचमः पाठः)	प्रकरण परिचय, (मृच्छ्कटिकम् के परिप्रेक्ष्य में) – पाठ अध्यापन –पुनरावृत्ति एवं पाठ अभ्यास	01 03 01	रूपक के भेदों का परिचय 2.दानशीलता का महत्त्व का ज्ञान 3. सूक्ष्म मानवीय संवेदनओं का अवबोध 4. नाटकीय अभिव्यक्ति क्षमता का विकास

	द्वितीय	सन्धि	– स्वरसन्धि (दीर्घ, गुण यण्, वृद्वि अयादि प्रकृतिभाव) – व्यंजन सन्धि (श्चुत्व, ष्टुत्व, जशत्व, षत्व, णत्व अनुस्वार एवं परसवर्ण	02 03	1. वर्ण मे हो रहे परिवर्तन की समझ 2. तर्कशक्ति का विकास 3. पदच्छेद एवं संधि की समझा 4. नियम निर्धाण की क्षमता का विकास 5. प्रयुक्त शब्दों के सूक्ष्म निरीक्षण क्षमता का विकास
	तृतीय	आहार विचार (षष्ठःपाठः)	– पाठ परिचय एवं अध्यापन – पुनरावृत्ति एवं अभ्यास	02 01	1.आयुर्वेद शास्त्र के वैशिष्ट्य का अवबोध 2. भोजन की प्रकृति का ज्ञान 3. संधि समास प्रत्यय आदि का अभिज्ञान
	चतुर्थ	सन्धिः	– विसर्ग सन्धि(सत्व, उत्व, रूत्व लोप, विसर्ग स्थाने श् ष् स्) – सम्पूर्ण सन्धि का अभ्यास	02 02	1. सन्धि– अधिगम– प्रतिफल पूर्ववत्
October	प्रथम	अपठित अवबोधन	अपठित गद्यांश का अभ्यास	2	1. पाठ्येतर गद्य की समझ 2. वाक्य एवं पदनिर्याण की समझ 3. कर्तृ– कर्म– क्रिया एवं विशेष्य– विशेषण का ज्ञान 4. गद्य के भाव विशेष की समझ 5. शीर्षक निर्धारण क्षमता का विकास।
	द्वितीय	स्तंतिप्रबोधनम् (सप्तमः पाठः)	– परिचय एवं अध्यापन – अभ्यास	02 01	1. आधुनिक संस्कृत कविताओं का ज्ञान 2. राष्ट्रीय भावना का विकास 3. स्वामी अरविन्द के जीवन दर्शन से परिचय 4. राष्ट्र स्वातंत्र्य का अवबोध 5. काव्य सौंदर्यावबोध

	तृतीय एवं चतुर्थ	दयावीर कथा (अष्टमः पाठः)	– परिचय एवं अध्यापन – अभ्यास	04 01	1.आधुनिक गद्य साहित्य परंपरा का ज्ञान 2. संस्कृत वाचन– कौशल का विकास 3. मानवीय गुणो की परख 4. शरणागत रक्षण भावना का विकास
	पंचम	ाब्दरूप	– हलन्त– राजन् गच्छन्, भवत् आत्मन्, विद्वस्, चन्द्रमस् – सर्वनाम– सर्व, यत्, तत्, किम्, इदम (त्रिषु लिंगेषु) अस्मद्, युष्मद्	02 02	ाब्दरूप अधिगम– प्रतिफल–पूर्ववत्
November	प्रथम एवं द्वितीय	विज्ञाननौका (नवमः पाठः)	– परिचय एवं अभ्यास	2	1. पद्य विधा (नवीन) का ज्ञान 2. संस्कृत गायन का अभ्यास 3. पारंपरिक ज्ञान की उपेक्षा के दुष्परिणाम 4. आधुनिक विज्ञान के अंधानुकरण के दुष्परिणाम 5. वेदों की ओर लौटो भावना का विकास
	द्वितीय	धातुरूप आत्मनेपदी उभयपदी	– लभ्,सेव्, मुद्,याच् – की, कृ, ह्व, ज्ञा, ग्रह्, शक् (लट् एवं लृट्)	01 01	धातुरूप– अधिगम– प्रतिफल पूर्ववत्
	तृतीय	कन्थाामाणिक्यम् (दशमः पाठः)	–पाठ–परिचय –पाठ–अध्यापन –छात्रों की सहायता से नाट्य मंचन –अभ्यास प्रश्न	01 05 01 01	1.एकांकी विधा का परिचय 2. अभिनय एवं संवाद क्षमता का विकास 3. रूदिवारिता से मुक्ति 4 सहिष्णुता की भावना का विकास 5. धैर्य एवं उचित निर्णय क्षमता का विकास.

	तृतीय एवं चतुर्थ	ईशः कुत्रास्ति (एकादशः पाठः) प्रश्नाभ्यास	पाठ परिचय एवं अध्यापन प्रश्नाभ्यास	02 01	1.अनुदित साहित्य से परिचय 2. प्रकृति में ही ईश्वरव्व का अवबोध 3.रवीन्द्रनाथ टैगोर के आदर्शों से परिचय 4.कर्मशीलता की प्रेरणा
	पंचम	उपपद विभक्ति प्रयोंग		3	1.अनुवाद कौशल का विकास 2.कारक के विभिन्न नियमों का ज्ञान 3.उपपद के योग में होने वाली विभक्तियों का ज्ञान 4.सुस्पष्ट भाषा का प्रयोग
December	प्रथम	गन्धिनः स्मरणम् (द्वादशः पाठः)	–पाठ परिचय एवं अध्यापन –अभ्यास प्रश्न	02 01	1. महात्मा गांधी के आदर्शो परिचय 2. सत्य के महत्व का ज्ञान 3. माता पिता के प्रति कर्तव्यों का ज्ञान 4. सेवा भावना का विकास
	द्वितीय	साहित्यिक परिचय	–वेद, पुराण स्मृति, रामायण एवं महाभरत परिचय –गद्य, पद्य, चम्पूकाव्य एवं नाटक का सामान्य परिचय	02 02	1.संस्कृत की विभिन्न रचना शैली का परिचय 2.विभिन्न विधाओं का वैशिष्ट्य 3.आदिकाव्य के वैशिष्ट्य का परिज्ञान 4.आदि ऐतिहासिक महाकाव्य रामायण एवं महाभारत का परिचय एवं वैशिष्ट्य का अवबोध।
	तृतीय	पुनरावृत्ति एवं आदर्श प्रश्नपत्रों का अभ्यास			